4.शिक्षा

कवि का नाम : ठाकुर गोपाल शरण सिंह
काले : सन् 1892 – 1960
स्थल : रीवाँ (झाँसी)
कृतियौँ : 'जगदालोक' इनका महाकाव्य है।
माधवी, मानवी, कादंबिनी, ज्योतिष्मति, संचिता, सुमन, विश्वगीत और ग्रामिका इनके मुक्तक काव्य है ।
'गामिका' और 'जगदालोक' उत्तर प्रदेश सरकार से पुरस्कृत हैं ।।

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए

1.शिशु ने रो-रोकर क्या सीखा है?
शिशु ने रो-रोकर हँसना सीखा है ।।

2.शिशु ने लघु होकर क्या सीखा है?
शिशु ने लघु होकर बढ़ना सीखा है।

3.शिशु ने चलना कैसे सीखा है?
शिशु ने गिर-गिरकर चलना सीखा है।

4.शिशु ने सब कुछ कहाँ आकर सीखा है?
शिशु ने सब कुछ दुनिया में आकर सीखा है ।

5.चंगों से क्या सीखा है?
चंगों से चढ़ना सीखा है।

6.मुरली ने गाना कैसे सीखा है?
मुरली ने उर छेदकर गाना सीखा है।

7.वारिधरों ने पानी बरसाना कैसे सीखा है?
मिट-मिटकर वारिधरों ने पानी बरसाना सीखा है।

8.नदियों ने बहुना कैसे सीखा है?
गिर-गिरकर नदियों ने बहना सीखा है।

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

1.शिशु ने दुनिया में आकर पहले क्या-क्या सीखा है और कैसे सीखा है?
शिशु ने दुनिया में आकर सबसे पहले रो-रोकर हँसना सीखा है और लघु होकर बढ़ना सीखता है । गिर-गिरकर चलना सीखता है

2.पानी कैसे बरसता है? नदियाँ कैसे बहती है?
बादलों ने मिट-मिटकर पानी बरसाना सीखा है। और पर्वत से गिर-गिरकर नदियों ने बहना सीखा है।

III. अनुरूप शब्द लिखिए :

1. चंग : चढ़ना :: वारिधर : बरसाना
2. दुनिया : जगत :: उर : छाती
3. नदी : बहना :: मुरली : गाना
4. भूख-प्यास : शब्द युग्म :: मिट-मिटकर : द्विरुक्ति

IV. जोड़कर लिखिए :

१.शिशु - हँसना

२. गिरिवर –नदी

३. चंग – चढ़ना

४. गाना – मुरली

v. विलोम शब्द लिखिए ।

1. रोना x हँसना ।
2. चढ़ना x उतरना
3. मिटना x घटना/जोड़ना
4. गिरना x उठना

VI. अन्य वचन रूप लिखिए :

1. नदी – नदियाँ
2. मुरली – मुरलियाँ
3. वाणी – वाणी
4. स्मृति – स्मृतियाँ

VII. पर्यायवाची शब्द लिखिए :

1. शिशु – बच्चा
2. वारिधर – बादल
3. दुनिया – संसार, प्रपंच
4. चंग – चढ़ना

VIII. तारवाले, थापवाले, अन्य संगीत साधनों की सूची बनाइए

सितार, तबला, मुरली, बीन, वीणा, उफली, ढोलक, शहनाई, सारंगी, गिटार, हारमोनियम्, घटम्

1.	गिटर	तबला	शहनाई
	बीन	ढोलक	डफली
	बीणा	सारंगी	घटम्
	सितार	हारमोनियम्	

IX. नमूने के अनुसार सही वर्तनीवाले शब्द लिखिए :

उदा : वारिधर, वारिघर (वारिधर)

1. दूनिया, दुनिया --(दुनिया)
2. शिशु, शीषु' --(शिशु)
3. मुर्ली, मुरली --(मुरली)
4. गीर, गिर --(गिर)

X. आठ नदियों में अधूरे नाम दिए गए हैं। उन्हें पूरा कीजिए।

(मंदाकिनी, घाघरा, कावेरी, गंडक, महानंद, अलकनंदा, यमुनो, कोसी)

पूरक वाचन

1.फूल और कलि से हमने क्या सीखा है?
फूल से हँसना सीखा और कली से मुसकाना सीखा है।

2.नदी और कोयल से क्या सीख सकते हैं ?
नदी से जीवन में बहने सीखा और कोयल से मधुर गीत हरदम गाना सीखा है।

3.चंदामामा तथा मेघ हमें क्या सिखाते हैं ?
नदी से जीवन में बहने सीखा और कोयल से मधुर गीत. हरदम गाना सीखा है।

4.हमें किस प्रकार की सीख की आवश्यकता है?
हमें सदा हम सीखें जीवन में हम रहें तो जीना, सीखना और शिक्षाएँ हो नित
ऐसी ही जीवन भरा रहे सीखना है।